

Demand for clarification on the issue of stopping construction of road in Ladakh

श्री श्रीगोपाल व्यास (छत्तीसगढ़) : उपसभापति जी, हम सभी जानते हैं और कल के अखबारों में व्यापक रूप से यह छपा है कि भारतीय सीमा में लद्दाख के पास बन रही सड़क को चीनी सैनिकों के कहने से बनने से रोक दिया गया है। यह "नरेगा" भारत की योजना है और भारत की सीमा में प्रवेश करके हमारे लोगों को काम करने से रोका जाना बहुत ही अपमानजनक है तथा यह भारत की सार्वभौमिकता को चुनौती है। ये समाचार भी छप रहे हैं कि मजदूरों को मारा-पीटा गया है। सरकार को लोक सभा के 35 सदस्यों ने इस चीनी अतिक्रमण पर अपनी सूचनाएं दी हैं। यह पहली बार नहीं है बल्कि incursion की घटनाएं कितनी ही बार हुई हैं। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि हमारी और उनके बीच की नियंत्रण रेखा निश्चित नहीं है। यह बहुत दुःख की बात है। हम एक ओर तो उनसे विवाद पर बातचीत करने जा रहे हैं और दूसरी ओर भारतीय सरकार को यह पता नहीं है कि हमारी नियंत्रण रेखा क्या है। मैंने स्वयं इस संबंध में प्रश्न पूछे थे कि इस बारे में चीन क्या कहता है, उसे छोड़ दीजिए, हमारे पास हमारी सीमा का रेखांकन है कि नहीं है? इसका जवाब भी संतोषजनक नहीं है।

मैंने सुना है कि आज एक delegation यहां आ रहा है। मैं सरकार से दो बातें कहना चाहता हूं। एक तो यह कि जब उनकी सेना द्वारा हमारे लोगों के साथ मार-पीट हुई तो उस समय हमारी सेना कहां थी? उस समय हम लोग क्या कर रहे थे? दूसरी बात यह है कि आज तो delegation आ रहा है, उससे साफ-साफ यह कहा जाना चाहिए कि इस प्रकार की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। यह भारत की सार्वभौमिकता का सवाल है। मैं उधर के साथियों को याद दिलाना चाहता हूं कि सीमा विवाद पर स्वयं इंदिरा गांधी जी ने उस समय कालिदास की पंक्तियों को quote करके यह कहा था कि दुनिया के किसी काव्य में हिमालय की ऐसी व्यवस्था नहीं की गई है, जैसी भारत में की गई है। इसके बारे में कहा गया - "देवतात्मा हिमालयः"। यह भारत की सीमा है। इसको quote करके उन्होंने भारत का पक्ष रखा था। यह आश्चर्य है कि कोई भारत की सीमा में घुसकर भारत की सार्वभौमिकता को चुनौती देता है और हमारी ओर से यह वक्तव्य जाता है कि कोई खास घटना नहीं हो रही है। मैं इसको बहुत गम्भीर मानता हूं और आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि वह इस संबंध में देश के स्वाभिमान के अनुरूप कदम उठाए। धन्यवाद।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री के.बी. शणप्पा (कर्नाटक) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री भारतकुमार राऊत (महाराष्ट्र) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री भागीरथी माझी (उड़ीसा) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री विश्वजीत दैमारी (असम) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री मंगल किसन (उड़ीसा) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री कृष्ण लाल बाल्मीकि (राजस्थान) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री अनिल माधव दवे (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं इस विषय के साथ अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI KUMAR DEEPAK DAS (Assam): Sir, ...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, your name is here. ...*(Interruptions)*... Only one Member. ...*(Interruptions)*... You have to just associate with it. ...*(Interruptions)*...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS: Sir, China is simultaneously building and repairing as many as 27 air strips in the Tibet region. ...*(Interruptions)*... It is constructing a dam on Brahmaputra, in China part, ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; now Mr. Baishya. ...*(Interruptions)*...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS: The Minister has also agreed. The construction of that dam 1,000 kilometres upstream of the Brahmaputra will ruin the economy and culture of the Brahmaputra Valley. Sir, I associate with this issue and seek the protection of the Government in this regard.

Construction of dam on river Brahmaputra by China

SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA (Assam): Mr. Deputy Chairman, Sir, thank you for allowing me. Sir, not only Assam and Arunachal Pradesh but also the entire north-eastern region, including certain parts of the northern India, to day is under a great threat due to an action taken by China. Sir, the Brahmaputra Valley Civilisation, an ancient civilization of our country, I am taking up this most important matter. Sir, China is trying to divert river Brahmaputra at the source. Sir, their intention is quite clear; after diverting the flow of the river Brahmaputra at the source, they have constructed a dam also; they preserve water in this dam. This is already tracked by the National Remote Sensing Agency. Not only that, Sir, if they successfully implement this project, then the entire region of Assam, Arunachal Pradesh and the parts of northern India of our country would be like a desert. Our civilization will be completely collapsed.

Sir, it is the duty of the Government of India to protect the region. Although hon. Prime Minister took up the matter with the Chinese Prime Minister in the ASEAN Summit, but, Sir, our past experience is very bad. In 1962, it is known to everybody when China attacked India, when China came up to Bombdila, then the Prime Minister Pandit Jawaharlal Nehru said goodbye to the people of Assam. Sir, this is the scenario. We do not want a repeat of the big action of the China. ...*(Interruptions)*... Sir, it is very important.

I would like to say that although the Government of India took up the matter with the Chinese counterparts, it is not enough. We want the Government of India to take special measures immediately in the international forum also; because, we want protection. Brahmaputra is the lifeline of Assam. Brahmaputra is the lifeline of the north-eastern region. Without Brahmaputra, we cannot survive. So, we demand the Government of India to take up the matter and rescue us. If necessary, they should take up the matter in the international forum also. Thank you.